হে খোডরাজ খুন ৷ খাবিজমানিতা করন্তা দগরে দায়াতা করেল ডাছার এক মিব্র মুঘিত্র নায়ে জিলেদ ভিনি আপন বাচী হইতে ত্তীথ যাত্ৰা করিয়া নানা ত্তীথ ভুয়া করিতে প্রারতার নায়ে এক তার্যেতে ওপদ্তি হই लन। स्म औरथ युगामिरम्ब नात्य प्रक प्रवडा চিলেন ভাছার শুজা ও স্তব ফরিয়া নগরের गरिश नेविक्ष प्रदेशना (महे निर्देश अस्ति। लग्र निकारे जनमित्राज व्यवास महारा रेजन পুরিত কটাই এক দেখিয়া উত্তৰ্ন লোকের দ্বিগাকে জিআসা করিলেন। লোকেরা করিল अपनमशुविनी नांद्य अक दिशारीनां अहे प्रदर्भत वृश्चि अंश्व अरे नेन अरे देन क्रिकेट लुविछ इरेटन अ ए लूहम मा शहरद (अरे প্ৰত আমাৰ কামী হথকে। স্মিত্ৰ লেখিকৰ प्तर प्रमान वह बाका भूवन कवियां महन সন্মীবদী রাজীকে হেচিয়া তাহার আর্থ সোটা

क्षत्रे नोवना (परिमा) उद्धाद मुद्रो অরম্ভী দগরে আসিয়া শ্রন্থিয়ার্ডার সাহাতে সহল বৃত্ততি নিবেদ্ধ করিলেন। রাজা দূরিত্রের বাঝা ইনিয়া কেবল ফৌতুরা विक्ष हरेगा रेडन क्हेरहत निकार शिवा उन यादी यह दिलन । य्वनमञ्जीतनी देश ৰ্জনিয়া তথাতে কাদিয়া পুতাহ্বতা দেখিয়া শ্বরিসমাদিত্যের বুদুর্র শুরীরে অমৃতাভিষ্কেক बाबाग्र प्रवेशक निर्देश निर्दाध निर्दाध निर्दाश নেৰ্থনা শ্ৰুবিক্যাদিজকে কছিলেন হে মহা রাজ রাজার মাহদ বড় ওল ডণ্ড ডৈল क्षेत्र भुविद्धं इ.अ.स इडेस्ड प्राधिक वा कि স্বাহ্স আহে আমি বাজার প্রধার্থ জান কার্ব এপর ক্রিয়া জিলাম বৃক্তিশাম ডোনার বত প্ৰৱাথ অভ্য ডোমার পুতি ত্থা হয় नांत जांसांत महिउ अह्मांदरी प्रश्नित स्रोती হুও। এক বৰালা পুকার প্রিয় বাকাতে রাজার

ভান্ত আগুছ না কৃষিয়া পুনবর্গর ,রাজারে কৃষি ধনা যে হেতুক আগ্রার মত দুন্দরী দ্বী নহৎ হ্রান্ত্র রাজ দুর্নুত্তিত ও ডোনার আন্তঃকরতে লোভ জন্মাইতে পাছিল না। ভুনতর রাজা দুর্মিগ্রের ইনিত কৃষ্ণিট্ট দুর্মিত্র নামে আন্তর্মিপ্রকে দে দেশের রাজা কৃষ্ণি আগন রাজকানীতে আইলেন। হতুদ্বলী পুন্তাককা প্রভাতারাজাকে এ কথা কৃষ্ণি কহিলেন ডোমার অনি হ্রান্ত্রণ ওরাজা থাকে তবে এ দিশ্বাদ্বল বদিবার ভালন হও। ভোজরাজা এ বাকা শ্রনিয়া ভাল্বমেন ক্রান্ত হইলেন।

ইড়ি চতুর্দুশী কথা 🗝

नैकेंग्नी भूछनिकांत्र क्याँ। ""

भूनवर्रात अस विसम अभिरासकार्थ मिन हो अस मधीरणीनिङ झालांजताजारक विविद्यां भिन्नेत्यी भूजिलको कहिरलन हर क्षिणतांजा श्रम अ ग्रिक्शंमाल शिन्नतांत हा अपेक्षं श्रम अ ग्रिक्शंमाल शिन्नतांत हा अपेक्षं श्रम वृज्ञात श्रम। त्राजा कहिरलन कह स्म वृज्ञात कियथे। भूजीलिको कहिरलन अस मग्रास श्रीविज्ञ्यांवित हसी ज्यम तथ भए। दिक्षं वर्ष प्रजृतिनी स्मार्ग मग्राज्यांहारतं मर्व्यक्ति। ज्या कविद्यां अरुक त्राज अग्रहारतं स्वर्णीलुक कविद्यां विभावित कर्यामहित मर्जायं पिछित पुक् दित महित मन्ना ग्राव्यां विद्यां पिछित पुक् दित महित मन्ना ग्राव्यां विद्यां पिछित पुक् दित महित मन्ना ग्राव्यां विद्यां पुरुक् विद्यां क्षंत्रां क्षंत्रां व्यक्ति विद्यां क्षंत्रां क्षंत्

গাণনভার বিশাস বিশিব সমূহে পুরেশ ছিরিলেশ বনুরাজি নবীন স্তবক মণুরী ভারেত্তে পরম পোভাবি শিষ্ট क्रिशेटकन सक्न माइदिद्य महस्रिक्ट भूकान इडेग्रांटक युग्रह गांना अर्थित अर হট্য়া মনেছির শাল্প করিডেচেশ বেটিকল মিখুন মবুর রব করিভেকেন। ওঞান পালের দের এই বাকা শুবল করিয়া স্পরিবাচর क्री जोवत प्राप्त करि इनम तानीम्। म नामारिदी স্থান্তৰ করিয়া বল মধ্যবর্তী বিচিত্র यदै। पिउ यनि यक्षिप कनक्षा बि॰ शंमात अविक्षं इहेशा विधाउत्सह মাহিত শাশ্ব পুনার করিতে লাগিলেন। ইত্য বসরে হাজার বিদ্যাবিষারি পণ্ডিত আন পাল্যের এক পুন্দি করিলেন হে মধারাস ক্রম क्रांजनक्ती कथन कांश्रांत उ दित रहेगी भोरकत ना । রক্ত মাত म মল মৃত্র দানা

बिर्दे वादि होते अर्थहीर अस्ति नत् अस्त मुक शित बन्द नुष्ठि तस् निज नग्र व्यक्त এ সকলে আড়ান্তিকি পুড়ি করা জানী অলর 8नेपुरु नग् नीच (पारन अपूर्धात्रोत्र विश्हेरस ত্রেক্তিক দুখ্যন্ত্রক হল অক্তার লিক্তা কলুতে মধ্যাভিনিবেশ আনীর সত্ত্য I निरावस महिरानम् विश्व भेवमन्द्रम् वार्डि द्वारक रकड़ नग जीक्षां यन मुस्ति होरेन জীৰ আনাৰ সংসাৰ কৰিটানি হয়তে মূক इत । वाजा देवांविकांदिव अहे बांका पुरत স্থারিয়া বিকিশ কাল আত্ম মাল বিবেচনা ভবিয়া কহিলেন হে বৰ্মাবিকারি ভূমি ঘাহা স্থানি বৃদ্ধ বলা প্ৰতিক চিমুবিশিক্ষ পরীরেতে পান হাযুর স্থিতি জীবের জীবন बंदिन नीन रोपूड नेरीह रहेरेड निर्धा श्रीत्वर गाव। काउन कीत्वर कोरन राज

विक्रिया याव- जीवन जीव- नैयाह अवर्वायतं काराव महिल मस्या थाटर ना हेरा नृजास मतन जानिए विस्माल ग्रह गांस हेराव नेव ज्ञानव कि अ जान नक्ष ना रहेरन अ नेव ज्ञानव कि अ जान नक्ष ना रहेरन अ नेवम नृक्षायतं निवस्त्रवानुकार्ण रहा ना । ज्ञान नानिय-मस स्वर्व रहे (मर्ट नेवम महि ज्ञान जीनिय-मस स्वर्व रहे (मर्ट नेवम महि ज्ञान जीनिय-मस स्वर्व रहे (सर्ट नेवम मिला वह क्षा नोवा पुरुष ज्ञान कथा कहियाँ वैमारिकाविक गांवलांग्राथ ज्ञानका मलाने मूना पिलन । स्वर्वाज्यां ज्ञानका मलाने मुन जिकां क्षा नेवस महिलांग्रा स्व

ইত্তি পশুদুশী কথা।

বোদশী প্রলিফার কথা দ্রা

 ৰেশ-ভূমৰ কৰিয়াল এডাচ্*প লোক কো*ৰ্যান विभिग्नोद्ध कि नां। क्यू क्षित्रक (इ स्क्रोड़ोद তাৰ প্ৰাক্ত কেবল বাজা বিস্ফাদিতা प्रांत्सम् । इतेका रुक्तानंत्रातः कार्यत्र प्रेयुवारिकः विज्ञानिकाम क्रिय अभियो उत्ना रहेगांत আতুহা কৰিয়া দেৱতা কাৰ্যালা কহিলেন 🛊 कार विमाध्य अवश्री सबसी स्वेशी होता छन्। लांभाइत्य कार्या क्युटिंड विद्रां स्ट्रिएका हर होतार वृधि पुंचार अपीत्रहरू मंत्रीत स्मापनि किया तम गरीह बार्क क्यां। गुलव्हीब असम भंदीत हरेला। देशां कवितां क्षत्रकां क्ष्मुकांचेः बहेरनम । अंदर्श स्मारे बहुने पुंद्धि पिन नांतीह हांस करतम अनुस्त दिस लेजीत स्था प्राप्त वृक्त महिंच नोहेल नाम्ये मुंबा म्याप करतन । हरूरणोश्रेष द्वायोग अहे आवल वृक्षां होता। निक्यादिएकात विकार स्था कहिएन न हांका प्रतिका क्षेत्रा काल विरम्भको अविरम्भक का

प्रकार कार्या असीतंत्र एकारका विश्व शिक कृता बार्ज इस दिश्य जोनेति रच इंडेटन राज लाई (पारत शनशांका व्यंद्रा) लगीतंद कृष्णकशिका स्वयम् अवशिमक क्राइन अहेनुगुक शलग्रहम उत्पर्ध सूर्यक प्रश्तेषु जानित मृत्रुक्त किन्द्र निस्कृष्ट्रे नेवर्रास्त्र अभित्य मृज्यम् करकेम सा व्यवपार क्रीह इन्माद्य निवृध्यका अहे वृक्षीर काण्डिक लाक प्रार्थित अपूर्वी भारता २ जन्म लिएक क्लेबार् লাভা চন্দুশেশার সাবভোতাবে সুধী বালৈ क्षित्र बोशीर चुंबार क्छ रेवंग चुंदान वक अवाम्हर्क में बूह्न जारोड़ पार्टींड शाउन इसे में वर्गामान कारणा कर्यमा । और क्ले भएन विक्रिक्त वंशियां कृष्णि क्ष्युरणोधरेत्व ब्रांकवीतीरव होजा विक्योगिया जो सि शिया जार्न्स्ट पुरिक्ष इरा आहे । एसी पुँजां वरेंगा काई কোৰে আনিৰ শিক্ষায়ৰ তুমি আঁচুৰ্ত

निवासिका एक ग्रहने काइना होता हुन् लिंधड (डीबांड खेला इत्ते की विनश पुरांश्रीई बेदिएर्किन और मुंपूके निजा भारीक प्राटक्षे মুক্তা পার 🖰 জানার জারাইলা জলেক স্থারিয়াতে এই হেতুক আরয় সমুত্তি শাইয়াকে पुरि अ मार्देम निर्धिक (तम क्षिमा) (स য়া হওক সমূতি বছ পৃথিকা কর। বিজ্ঞানিতা कृष्टिल्लन (इ (क्टी परि जांगांस्क भूमाना মুইদেন বাবে হারা চ্যুদেখাবের পুরাষ व्यक्ति कृष्ट नेरदानं भंडीत मोरहत पृष्ट्य सा হুয় এই 'বন্ধ ক্ষেত্ৰ' ক্ষেত্ৰী ক্ষাহিংলন ছে ক্ৰাজন ত্তি অভিযান দ্যাশু ভক্ত ন পুৰুক্ত সদৃষ্ট ক্ট্রা প্রেয়ার অভিনাট্ডির বর কাসা চলু मिश्रहरक मिलांग। देश करियां सबी **कार्यशा**ल ছালেল বিজ্ঞানিতা চনুশেশকের মহা **দুগত** মারত স্বনিয়া যোগোগাঁগুলা আবোহন স্বাস্থিয়া व्यक्षांतर करिएम १० नुस्तिको करिएमा छ

ভালরাক রাল হালা বিজ্ঞানিক আনিটি আনিয়াকেল এ মাড কে করিছে পারে। মাডাবৃশ মাহবু যার ভোজাতে থাকে ভারে এই ক্লিড্রা জানে কমিডে পার। পুতারির এই বাক্স রানিয়া ভোজারা অধ্যেমুখ ইইনেল।

अवस्था पूजनिकांत क्यां।

्वाना तथ गिरम व्यक्तिस्थार्थ जिन्द्रांनीय निर्मित्र थारकाव्यांवारक मस्त्राणी पूर्वनिका कर्मत (द वांको विक्रमोहित्सात अर्थार्थ कि क्षेत्र क्षित्र स्वांचा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रक स्वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रका क्ष्य क्ष्य

क्रीकार वैधा वरण गुर्हा महान शास्त्र ग्रेसीय हैंड। भी जामना पर मुंबस वाजिएत्स जना তে তাবেদ দা মান্ত ছয়িতে সক্ত পদ্ম মুদ্ পাশেত বিরাগ বর্মেতে আবুরাণ শানুমে যুদ্ধ পুতায় অভিধি দেবা শিত্ যাতৃ হাজপুড্ তির আত্মানুমর্থন অধ্যাত্মারিয়ার অনুসরী লন ইতাহি শতুম বীক্ষতে লবর হেলা গুরুম শোভিড ছিল ৷ স্থাবিক্যাদিন্তা মণ্ডলীতি বাঞ্জা নীতি পাঁড়ানুমায়ে পুজাশানৰ দুঝলিগাঁছ করিয়া পরম সুমে রাজ্য ভোগে করেব। ইত্য बमाह « अस सिवम श्रुपान भेन होजाह আফ্রান্ডে কৃতাপুলি হইয়া নিবেদন করিলেন तर ग्रहांद्रिक क्षेत्राहरू कह जूना कहरेड़ পর্যের মৃদ্রাপ পরীর এক পুত্র আলিয়া विदेश विभिन्न निवस हरेग्रोस उद्दार আম্বা আধ্য কা ভাগি করিয়া প্রাইয়া विवेदियासि भीवे अनुस्क विवोद्धन हा जान

हैंस डीइएड अंदर्शन करने नीत्नत की बीका नैतम करिया कृष्याम्हर्यात न्त्र तिवाद्वीध योवनीद्वादेन करिया जीशत अक्षाकी मुन्ति केंद्रित्मन । कारेक्यांविका पुरिस देवस्यात् আত্রান্ত জীত হুইয়া পলায়ন করিল। রাজাত निकाद प्राप्तन कंत्रियन । और करन यम मूख्य আনেত বন অভিকল্প করিয়া এক চিত্র क्षांगरन पुरिश्च इंदेन। ब्राजी उत्तिकरहे विद्या उनिविक प्रदेशनम भूकत स्वीत्र मुक्तित জাজবোনের প্রশায় সা পরিয়া মেই বদেতে উট্টটে এক নির্বিত্ত গৈছাপাত্যাল কপাটে কল इरेग्निक विषे कर्ने क्याँ क्याँड पास विरीन विविद्या विश्वीतं प्राप्तेतं प्रमुख्य प्रतिक्षे श्रीमा वाका প্ৰবিক্ষাৰিত। হত্তী হ'হতে পামিয়া খাইচৰ শীরণ ইরিয়া আডাভ সাবলে একারী

ত্তরিমধীে পুরেশ করিলে। বে ওছা আড় বিস্তার এক দেশের পুায় হাজা অংশক পুকার অন্যেঘন করিয়া কোণাও শুকরেত্র তুত্ব না পাইট্রা ওছারমধ্যে ভুমন করিডেমেন ইডিয়বীে অপুতৰ এক নগাংগী তথাতে দেখিয়া जुनारी। अरिक्ष इंडेरनना (म अतित्यस्ता निक्री লুৱিবিৰ যে কৰে বলিৱ **ছবি ছইয়াডিংলদ দে**ই হাৰ্যে পুড়িয়া তথাতে ছেখিয়া স্থাবিক্যাদিত নানা পুকার স্তব ও পুনাম ও পুমস্কিন,করিয়া नुद्धिरात सम्बुका कुडाञ्चल रहेगा मोठाहरमन। রাজার ভক্তি শুস্থাতে নারায়ন সন্তম্ভ হয়য়া শ্রবিসমাদিতাকে রুল রুলায়ুর লামে দিয়া দুরু যুত্র দিয়া ভাহার তেন কছিলেন। হে মহারাল এই যে ইন্সলামে যস্ত ইহা হইতে মাণ-নারিক क्षितीव अभवक याग पारा विका सविदा कोहा नादेशी। अहे या इन्मीवन माध्य नंदर्श नेष्टीय देशे द्रेट्ड . नक्ष्माय उनेनेक वश्यन पारा ठिखा सहिता जोश महिता। অবিক্যাদিতা শার্যায়ন পুনামে বস্তুষ্য निरिय़ा (म परा रहेरा निर्गत रहेया नवर বৃৎ শ্ৰেছাবুদ্ধার কুপাটো কম্ম করিয়া ছব্ডিডে আলোহন স্থারিয়া ন্যুরাজধানীতে আসিত্তে (हर्न परिवादी) अर्थ्यांस्त्र परित जडाह इंडुभी भिडा नूटा दुर्गक्त अध्यक व्यक्तियां डांडांड হৈর দাবে কৃতাত্ত প্রনিয়া পরমূহতো অভাস্ক बुंडभी इंदेश ने कम कमायम पुरावय ने শিঙা পুণ্র বুক্ষিএইয়কে দিয়া নরোজধীনীতে डनेस्**उ रहे**लन। **मछ**रनी न्उनिको करहत হে ভৌজরাজ স্নাবিক্যাদিডোর দৌর্ঘ্য ওরার্ঘ্য একণ জিল তুমি মহি এই কণ হও তবে এ নি হাসনে বসিতে পার ৷ প্রভাজরাজ 🕸 ক্রথাতে তদ্দিবস ওপরত হইলেন । " Martin delatida en compa इंडि मध्यम् हे स्था 🖂

बारेपणी ज्लानकांत्र स्था । অশার এক বিবন অভিযেক্তার বিব্যুক্তি निकारे अचित आक्षांकर किया किया বুজনিকা কথেন। বে ভোজরাজ এ নিণ্ডা জান ধানবার প্রশাস্ত্র যে স্থানী ভাষার श्रीक्रम अवर्थितीर श्रीज्ञान (य सर्व प्राहा कहि सेन । प्रेर दिवस मिन्द्रास्त्र संग्री हो भूतिक्रमाविरकार अवसार क्रांद्रीय रहेगी রক ছারি নিবেছণ করিলেনা হে মহারাজ काश कांग्ड्रेस ३७ कथा इतिलाम अस्प्राहरका लिक्षाहरू अभाव नक स्वरता यह स्वरत समु कीर्ग रुनि गुका चुंबानाहि अठिड सन्ध्र সৌশানে চড়ুদ্দিগ শোভিত অপুনৰ এক সংস্থ बहु आहे । स्मरे महबारहाई मारी स्लीक র্মক প্রয়ু আইছে এই প্রয়েব্র প্রশক্তে দাদা ওক্তু অতিত হার্থফায় এক সিংহাসন আহে ব अस्तिहा कार्याची अदेशक करि प्रधान विश्वामा अधि है सह हरके संबंध कृतेया मूर्या मध्य यूप्त करकत् प्रदेशांच क्रांत्र कृषि कालुकान नेपांच करमा. क्रांम क्रोक वृत्व गाउ मारतावादक मादि। भारतम ह क्षे गढ देवार स्त्र शहिरका देखान-এ আশ্চর্য্য কথা প্রনিষ্ঠা অভান্ত কৌতুকারিছ इरेग्रा (योशनमृत्यादास्थ कतिम्। के मान्। बध्यम् विकारे गियां अवस्ति प्रेक्निन् सूर्यादिक काला 🗦 श्रु जनमती इरेल निर्भित रहेगा बर्ह्यान रम । नै स्वरंत श्रीवङ ग्रांतिज्ञ सुरुश्वित् सिश्रांमरनव उपेर গিয়া অবন্ধি করিবেন। স্তঃ সম্ম সমে वृक्षांव रहेता ग्रहांक कांट्य मूर्य मक्त नर्यास अन्धित इकेरनमः। ये सारगुनिविष जिल् হামণ বিভাগতিকমানিতা পুঠণ্ডতা মুর্যাতবে क्षित्र इदेग्रां अहरुक्त इदेश्नतः। अस्तस्त्र 💐 हुर्य (रचवृक्षिक्षिक्ष्यविद्यादिएक्। मान्य समिति

কড়ান্ত তুল্ধ ছইয়া আবিক্যাদিত্যের পরীরে कार्युष्ठ दर्धन कवियां इक्तिक मरठउन करि लान । बाजा कियमा नाडेश छक्ति भुक्तानू वर्रकः শ্বসূর্যাধেরতার তবের স্তঃ করিলেন। অস্বা দেবতা হাতার স্থাবে সন্তুম্ভ হইয়া পুতি দিবস এক ভার পরিমিত্ত স্বর্থায়ি কুগুলঘয় রাজা **एक विरा**णना द्राच्या अम्पूर्वत (एवडांद पुमारिक वे कुलनहत्र भारेषा (पानिनापुकारतास्त कृषिम् अवग्रमायस्य स्वतीय वृश्वितीनीस्य আনিডেমেৰ পথিমধ্যে এক অভান্ত দ্বিদুক্তে (पश्चिम् प्रमेष्ट्रकित रहेम्। (महे क्यनप्र ঐ দরিদুকে দিলেন ৷ এই ওনাঞান অন্তাদশী পুত্তৰিকা প্ৰভোজ্যাজকে কহিয়া কহিলেব ছে ভৌজরাজ ভূমিয়াদিও দুর্গা পুভার হও ডাহে এ সিৎ-ছামনে বসিঙে পারু 🚛 সভোজরাজ ফুলিনার ভাদুশ দুখার না বুজিয়া ভদ্বিদে कृतंत्रपु इरोजत । हेदि प्रक्षांहणी वर्धां न

ওনবিংশ ডিপুডলিকার কাণা

मृत्ववीत के विवस अविद्यक्तियों निविध वेदिन।
वेद्यावीतां के प्रविध निविध ने विविध वेदिन।
विद्यावीतां के प्रविध के कि प्रांत्र के विद्यावीत के विद्या

स्वक्रियांकि किन्दु कनक्कु नार्य असे पर्य-ভাছাতে ক্ৰিলোক শাধ নামে এক ঘেটিট নিয়াল ক্রেন আমি ভুটা ঘাইতে পারিলাম না ওলিকট ছেলত্ব লোকেরছের পুমুখাৎ প্রনিলায় স্কর্তক স্কুট পদর্ব- অভান্ত দুর্গায় তথা গোলে পুরু বাঁচন ভার। অভ্যব আমি সেই যেশ হয়ত পরার্ড হরলাম স্থা পুঞ্জরন আছি মত বিষয় আহে এ সকৰ ঘদি মানু দ্বৰে চেণ্ডা কৰিলে পুনবর্ষার হয় এ পরীর গেলে সহস্ তেখাতে इस ना ३ महीकात विकिट्ड मर्व्यमिषि इस অভার দাঁড়ি শাদ্ধানুসায়ে স্বর্থাদেন্দ্রা স্কৃতভাতাৰে শরীর স্পুরুষ্ণ অৱশ্য কর্তন। इनेजा (पाणीइरम्स नहतुत्र कार्थानकपन्यवित्र এক যোগীয় এই বাজ্য শুহুর করিয়া কহিলেশ-অন্তান্ত পক্তিপালি শৃত্যহের বন্ধ চারুকোন কর্মা बब्र अप- श्रीक अंश्रिक्ष यात्रकांत्रकांत्री लांक्यर कुर्नेय कियू तह पंतिरक्षाणहरू त्यांत

দেশ বিদেশ নয় প্রিছেডবাদীজনের পত্র কেই নয়। ইহা কহিয়া আগনাদুকারোহন করিয়া कनकक्षे नेव्यस्त ने स्वाधीत निकार शिया ওপন্থি**ত হালেন** 🖟 যোগী রাজাকে দেখিয়া কহিদেন, হে মহারাজ বিজ্ঞাদিতা ভূমি এ দ্যানে কি নিমিত্ত আমিয়ার। রাজা কছিলেনু কেবল আগনতার **সন্**শ্লাম । যোগী বাবিকমাধিতাকে ওওম রাজ লহ্বন দুক্ত পর্যসাধিক জানিয়া ক্র। শ্রিকা দও নামে विवा अमार्थ क्या किया ने अमार्थ क्या छन ৰুছিলেন। হে মহারাজ ক্রানামে যে এ দুবা देशंत और पन देन यन द्वांत बच्चांति ए पुरा ग्राप्त कतिहो । व स्वीरक बांग हास्त दुन कहिंदा मिर्दे विवित्र मुवा मक्न । क्या रहेळ रहेर १ এ মাণ্ডিকাতে স্বস্থা অথ র্থ পদাতি পুস্থৃতি काना यह लिकारङ भौतिरत उठ हरेरत!

व्यान त्य और दश्चे देशीय पश्चित संस्थ कृतिहाँ যে মৃত্ত শররৈ মুশা করিবে মে মৃত্ত শর্রির अक्टीत श्रोदर । आसाह धारीतनभन् ५ वसु প্রয়াকে ওপযুক্ত পাল্ল জানিয়া দিবায় 🕽 ভাগনন্তর প্রবিক্যাদিক্য যোগীর পুরাম নালু े बस्तुन्य भाडेग्रा भुनामः पुषक्तिन करिया বেচনী পাদুকাক, হরিয়া করোজবিলিংড আহিলেন পথিয়াবে। বলেন্তে ভুগ্নন করে कंड ह दूर्रांगड, अस अख्या न्वसरक व्यक्तिशी জিডাদা কৰিবেশ হে পুত্ৰ ভূমি কে বেল রাস ভ্রমন হর। ঐ পুরুষ কহিলেন আমি এই বেশের রাজা জিলায় আয়ার পর্বগেরা कांद्राह भूरत रहेग्रां जोशीत, कोद्यीग्ररागित বিগে যুক্তে নম্ভ করিয়া আমার রাজ্য ब्रोद्रोदि अवन जोऽञ्चन सहिद्रां नहेन । स्मो দুয়ান আতি অভাত দুয়নিত হুট্যা পদ্ খন্ম অন্য কোনহ কার মধ্যে থাকিতে না

भौतियां स्वामादी। अक्षांकी खुमन स्विद्धि 🌬 আহি বৃত্ত দুংশি আঁহার- দুইখের কথা প্রনিলে পালান দূর হয়। ইডার্টির নানা-পুরুরি-पुष्टार्थाकि अहे पुरुष्ट डिनियां व्यवस्थादिकाः किरियंत्र मग्नोविक्षंतित इहेग्रां नै भूकवार्त धारीह पुर्मार लहु क्युंपि पुराठ्य पियां यहांजिंशनोर्ड आमिश्र ४नेव्ड हरेलन । ী পুৰাৰ প্ৰবিজ্ঞাদিতা দত্ত দিবা বস্তুত্ৰয় পুঞাৰে পুৰুৰ্বৰ মুৰ্বাজ্য হারাহি পরিজন পুঞ্জি হুইলেন। ওনবিংশতি পুত্রনিকা কছেব হে ভোজরাজ এই নি*হাদলে যে রাজা হনিজেন ডাহার ওহার্তা যে ক্ষণ চিল ডাহা क्षरिकांस । जुसि सपि उपन्नं अरोबीयुक्त इअ ন্তবে এ নিংহাসনে বসিত্তে পার । ঞ্ভোজ রাজ এই কথা স্থানিয়া তাদ্যবাদে পরাবৃত্ত হইলেন ; ______

ইন্ধি ধ্ৰদ্বিৎপত্তিয়া কথা।

বি॰ পতি পুতলিকার কথা। "

অনন্তর হক দিবল বিশ্পত্তি পুত্তালকা

নিশ্বালন লিকট্ম শ্রুভোতরাতাকে দেখিয়া
কহিলেন। শ্রুবিক্যাদিকা তুলা যদি তামি হও

তবে এই লিশ্বালনে বিদ্যা অভিনিত্ত

হুইতে পার। শ্রুল বিক্যাদিকা যে কণ চিলেল্ল

নক দিবল শ্রুবিক্যাদিকার বৃদ্ধিনাটির

লাগ্রা হুরিল্লেট্যর লাম অপুথকে

ভাতান্ত মুখা বালানীকেশ চিত্ত জালিকা কহি

শেলা হে পুণ্ড তুমি রাজ্যবুরি নিতাল হইরা

মুখা হুইলে পতিত শোকের্ছের নতান হইরা

শাল্লান্দ্র্ণালন না করিলা লাজ্বভালিন প্রাল্লা

শাল্লান্দ্র্যালন না করিলা লাজ্বভালিন প্রাল্লা

শাল্লান্দ্র্যালন মাক্রালাকার মাত্র বস্তুত্ত

শিশু বিবেচ্না করিয়া বৃদ্ধা পাল্লার ব্রুবিক্র

ভারাভার পুঁতুক মদুছে। পর ভোর विक आहोत निम् । उग्न रेमधूनांमि विष्युक মন্মা পশ্বর এক কেণ কিঞ্জিলাত বিশেষ বাহি) ভোমার মে শান্ধীয়, বৃদ্ধি হইল না, অনুষ ভোমার জীবন দ্খা। এই কণ শিৱার শিক্ষার্থ ডংস্কুর থকা ব্যক্তিয়া শাস্ত্র ভূগনে নিশিও চিত্ত হইয়া বিদেশে আসিয়া স্বাহতিকর ওণামনা করিয়া,মকল মান্দ্রে ব্যুক্ত पन्न इदेश स्वापारण आहेत्यन पंथियत्वै। अक ন্পাত্র (দ্বত) যত্তল, দেখিলেল, দেব , সাদ্রশ कार्था क्या स्थान आफ्रिया उद्मित्सम उपाउडे -খাতিৰেন | ইক্সি সময়ে নী,মেৰডা মড়নেমু निकरें र जाने कर पक मातीकत हिल सिहे इद्देख विशे विशे क्या विश्व হুইয়াদেৰভার নিকটে আলিয়া,সমস্ত রাব্রি ने त्रवजात नृजा जन संबोधि सविद्या नुनिदंड

खाइरिह्न शादी ने कार्ध कवा पुरिस इदे

त्वत । असे महत्त्वे वृष्टिएनेश्वेत्रांमा मन्ति भूगे प्रिक्षां स्पृत्रांड क्रांमितं क्रांक विस् মেরণর জারাজাবিস্মাদিরাকে উছিদেন ৷ য়াজা ন্তালিয়া অভান্ত অনুভ জানিয়া 🖫 দেই ज़िंह जुनुष्र निकाहे कोमिया निष्य स्वेहरण यही পুঞ্চ যে কৰা কহিয়াছিলেল দে তথ সহজু विभित्तन। पुंडिश्वरित ने उन्हें। क्या प्रस्त भीत प्राची रामु दिया जिले पृद्धि इसा गाँउ ब्रोजा उ ए इस्लोक समू विद्या जन सरीत পুরিম্র হুইদেন। অসন্তর কল্যারা রাজাকে विभिन्ने कहिएनन हर महोत्रोजित्रोज विज शांविता कृष्टि करा चेलांद्र देरेंग कांग्रोव দের শুরায় হট্যার আনারদের সাদ আইস। কলাকা কজিটিক এই হণ কহিয়া পতিলি लिएक बच्चाय संपूर्वीत गर्दा नहेगा शिलम কহিলেন হে মহারাজ এই রাজ্য বুলী ভূমি পুৰ্বন কৰে। ক্লাজা কছিলেন আমাৰ ক্লাজা পুৰী

জানে এরাজা প্রতি আ মার কি পুরোজন কিন্ত জিজানি ভোষরা কে এ পুরামী কার্টী কুলারা কহিলেন আমরা অন্ত কুলা অন্ত দিন্দি এ পুরী আয়ারদের ক্রীড়ার্যনির ভোয়ার एलंदन कोग्रहा মূর্ণনে আমারা অভান্ত নতন্ত মুখ্যারি অভাব ভোমাকে পারিভোমিক অমু মুড়াই पुंडत कहा। अ अपने बाजूब प्रभा मेरे अस्तिक म्निमिमिक इत विजित्ताक खांजनीय पुरा যাধন যাহা চাহ তথম তাহা পাঞা থায় তৃতী য়েতে হত্তরম সৈনা পান্তি হত্তথে দিবা গাড় मिन्द्र निकास विभि भाषका पुष्टि सत अर्व केंद्रेन रह मलाहा मेर्चक रहा कार्या সালোম পুণিষ্ট এই তথ আঞ্চ রব্দের ওল ক্রিয়া রাজাকে কলারা অঞ্চ কৃত্ দিলেন । রাজা ঐ অন্ত'রত্ব পাইয়া ন্যরাজধানীতে আনি उटलन पशिम्परी। अस पॅडिम् दुक्तिन हांचा दिस्यादिखारस जानियां जानीयर्ग विवया

তিন্তা করিবেন। হে মহারাজ আমি হার্লন আরার দুংগাি তৃতি উপ্তম রাজা আমারে এমন জিলা দেওঁ যে আমার কোন হরিয়ের অসমুর থাকে না এক সদা সুখ্যে থাকি। রাজা ব্যক্তনের এই বাকা স্থানিয়া কোন বিহার না করিয়া মী অন্ধ রুত্বার্লনক কিয়া মাণুরীতে আইলেন। তিংশতি প্রবিদ্ধা কহেন হে ভোজরাজ ভোমার যাহি এজানুলা ওরাল্য থাকে তবে এ মিণু হাসনে বিয়াম করিয়া মানুহালী পাও। এই কথাতে শ্রোমার বিয়াম করা নতুবা কেন ব্যা শ্রিয়াম করিয়া মানুহালী গাও। এই কথাতে শ্রোজরাল কল্পিত হইয়া ফার হইলেন।

একবি^{ত্}পত্তি পশুনিকার ক্ষথা। । —

অন্তর্ এক দিবল প্রভাবরাজকে নিওছা
নান নিকট একবিংশন্তি পুজিকা দেখিয়া
কাহন। বে ভোজরাজ এই নিংছামনে বনি
নার ওপদুরু যে রাজা দিনেল ভাষার ওলার্য্য
প্রবাং এক দিবল কোন দেশে কি অনুত
নামগার আলে ইছা দেখিবার কারন প্রবিশ
মাহিতা ঘোগানার কারাছন করিয়া দেশ ভ্রমন
করিতেং এক পুরীর্মাবী দেবভার ভাল
ওলার্হানেল। তর্ম দেবভাবে পুনাম পুন্ফিল
ভব করিয়া বনিয়ালেশ ইতাবনার এক বি
নামী পুরুষ ও দেবভার ভাল আনিয়া প্রবিশ
মাহিতাকে দেখিয়া কহিলেন। তে সংশ্রম্ম

জতএর বুজি রাজা হটবে। রাজার রাজা हिना पहिलारा उपनित न्त्रीय क्यरन हान्य থাকে দা অভাব সকল কথা পরিভাগি ষ্টাইয়া রাজার খেতেরে শ্বভার্ডট চিন্তা কর্তায়। हि वांका इतिहा श्रीरक्यांदिया विश्वान াবিষয় প্ৰভাপত ডিডাড়েই হাত্য থাকে এয়ন সমূ যে রাজার **ইয়া সাহি সে** রাজার হল পুভাপ্তত চিন্তাতে রাজ্য থাকে দা ি বর্তী/ ্রম বামিকে রাজার রাজ্য বিষয়ক শুভাগুড हिंदी वाडिद्यास्य देन्स यन शांद्य ब्रांक থাকে। অভাৰে রাজা হিডির মৌফ কারণ বর্মী এই পুৰক্ত রাজার বিদ্যা অৱশ্য কর্ত্তবা। আয়া রো ভূমন কেবল ইম্মার্থ ভৌমাতে কোলই কার্নারে পার বৃহি। বাজার এই বাকা শ্রদিয়া বিদেশী পুৰুষ কছেন হৈ মছারাজ আশিনি नंत्र दीमिक वहे आधारक व कार्याधी

क्षिया व्यक्तियोग रमसास्य वंदि। द्रांप्य कहि. লেন কছ কি কাৰ্বা। প্রম কছেল হে মছা রাজ রূপ শীৰপুর্যুত্ত ক্রিয়াচ্যা নামে এক দেবী ध्यारक्रमः उथारः म्सादामि उम কার্ণ বাদেশ ব্ৰুস্র পর্যন্ত কায়াম্যাদেবীর মন্ত্ৰীজণ কৰিলাম পরত্ব কিছু ফল দেশিল লা অভ্যাব আমি সন্বৰ্মণ গুছিপু থাকি। স্বাজা अरे बांका अनियां, मात्रक भारते। विहांत कति লেল অনেক জাগে যে মনু মিছিল। হয় ইহার কিন্তু কারন থাকিছে ৷ শ্রবিক্রয়ানিতঃ এই কণ विकाद क्षिए। वे भूक्षाक मास नहेगा नीन भेग्बंट कामामशादमबीत जांग्रउत्नत निन्दे आमिया थोक्सन देखियारी निया कार्य संबोधगरम्बरे स्पृत्य अजात कशिलन হে মহারাজ বিক্যানিতা তুমি ফেল এ স্থাদে क्लोमिय्रोद्ध यमि अ प्लूंक्सम्ब व्रज्ञ जिम्बिव নিমিত্র-আমিন্না থাক তথে কাম্যুক পার্যোক

ইতাৰ জাৰ্ক শাহি বিপ্শতি পৰ্যাধ যুক্ত ইক পুৰাৰ थाधात निकार विन प्रश्न छरव देशह इ.स. लिकि प्रेति है को विकिशांगिक स् मिन्द्रों कि कि कि अधियां, विकास মনেং বিচার করিশেন মন্ত্রতি বিংশারি नक्षत्र युक्त भूतम् धाना स्वर्ध वृक्षे नह **ক্ষেত্র আনি ওপরিত আতি এ প্রচেত্র** उपलादाय जाहारत जीनतारक विन दिएव ्र वेहें क्षे विकास कहिया पुरित्रकारम मुनिस् निका किया करिया अञ्चल स्टेस মেরীর শিকটে আশানাকে বলি বিতে ওয়াই इतायास्य (पती पुंडाक इदेशी हाजात इन बंध दिदिश्यन सहित्यम्। (इ ग्रहोडोआस्ट्रिलांज পর্য বার্মিক শিরোমনি আমি ভোমার পরে। প্ৰায়তা বি পৰ্যন্ত ইয়া বৃক্তিয়ার কারণ ड्यांटक वनिविद्य सूत्र विद्योक्षिम**ध्य छो**हा नुंडाक्षर (रशिनाम रनिएड) किह्नु नुंर्वाज्य

साहि कावि प्रिक्न इरेनाव नद प्रार्थना सह न सावा प्रदीर वर राजा स्तिता करिएनम (इ प्रित्न प्रित्न काक्ष्म इरेगांक स्ट्रार अ प्रकार का क्रिस्ट एक। इरिता उप करिएन क्रियाक क्रिस्ट एक। इरिता स्था क्या करिएन क्रियाक क्रिया के प्रकार निकार प्रतीत क्रियाक क्रिया करिया क्रिया क्ष्म नदक्म अस्ति क्रिया करिया क्रिया क्ष्मित क्ष्म नदक्म अस्ति क्रिया करिया क्ष्मित क्ष्मित क्ष्म नदक्म अस्ति क्ष्मित क्षित्वत प्रतिक्षणनः द्रांका स्वा करिया करियान। अक्षित्व में स्ति क्ष्मित क्ष्मित

देखाकंदिणं, मंदिक्यी कथा।

দাবিৎপত্তি পুত্রনিকার কথা। 🗝

তুলি যাহ নাই লিশ্ছাল্লে বাল্লে অভিনিত্ত তুলি যাহ এই লিশ্ছাল্লে বাল্লে অভিনিত্ত হাইবা যে ডোলার ভকাও প্রাংশা হাইবালে ভাহা ডাগি কর । তুলি বিক্লাবিডার ডুলঃ বিহিতকারী হার লা। এ লিশ্ছালেলে ইলিবে পুল বিজ্লাহিডা যে কণ বিহিতকারী কিলেল প্রাহ্মানিডা ঘোডশবদ্ধ আঘুর কালে লিজ বাহ্বৰ প্রাণে আব দ্বাদি হিগান্ রাজাদিশো আয় করিয়া লালি রাজ এএগী সুকুট মানি মান্তিত করলার বিদ্ধ হাইয়া লাম্যাতা করেল। ব্যক্তি মুহুর্ত্ত হার্ম্ব জুন্মর বীলা বাদ্যানি সাক্র ভারকাক পুভূতি ঘশোরলিক গালে লিফ্লা

इत्नाद विन्न देशन नाट गाउन क्रिया क्ष নিঙা নাম্বা বন্দলাদি তৰ পুৰিঃকৃতা হইয়া অভ্যন্ত দাদা আধুবির অনুশলৈ করিয়া মলু শানাতে বাহাঁয় করিয়া রাজভিরবে ভূমিত रहेवा 'मरम्' स्ट्रिंग एति कहिया द्वियती ক্ষমন্ত্রী পুজ্'ড পণ্ডিড মাউলীংড কেন্দিউ ब्हेग्रा, देखांनाचा विकादि इंडिसीड प्रवनीर्ड শিক্ষানুসারে রাজ্য রাশার করিয়া মই।মি कौरन (राम क सारिएकिकी किया समानन कंडिया (ब्रांशी पहिनु पुक्विधिशी नांगा पुकांत মান দিয়া জাতি ব্ৰু মিশ্ৰ জন সমৰ্ভি ব্যাহারে ক্ষায় মধুর লবন বটু ডিজ অনু হৰ মত্ব সমযুক্ত চৰ্যচোদ্য লেহা পেয় হৰ চতুৰ্বিব ভোজা সামণী ভোজা করিটো জাতী লবন পুত্তি দাদা পুৰার পাচন **দুগাছির দুব্য যুক্ত ভাষ্মূল ভোজন করিয়া** हन्त्रांष् अ्रांकि पुराष्ट्र निश्चार श्हेरा

<u>কিবিৰ পুকার পুরুর মালা বীদ্ধ করিয়া</u> ম্বারণ পুত্তিকে বিদ্বায় ক্রিয়া অপুনর্ম পানকাশীৰ কিঞ্চিশ কান পায়ন কৰিয়া ঞুশক্তি শ্বন্ধ ক্ষারিকা পুত্তি পদ্মিগনের अनुसार भूरत कवित्र। ज्ञानक अनुसारी प्रांति भूरी গল সহিত্ বাৰ হাতুর্হিত স্থানারন করিয়া অণ্টাহে ইড়িহান পুৰানটি পুৰনোত্ৰ নেকায় ইনভাগ্রাহি অবলোকন মেই সেই विषयह जदारक्रस्य महित क्रिए! महा। স্থানে বেমেজি লিড়া হিয়া করিয়া পণ্ডিডেরদের क्तरिङ नीन्द्रीर्थान्नीयतं करियो। परिकारिक দের সহিও পরিহাস করিয়া সূত্য গীত কান্ত্র সাহনত কার করিয়া অনিষ্ঠিয় প্রান্ত कद कवियां कांबरभोदय कांब पर्यास माध्य मुस्ड धरिक्कीहर मुखार के करने जान योगन क्षिप्रकृत । बेर्फि मदी। असे विरुग्न ब्रांक्सियोगी नियु क्षिम जनियं सहक पृथ्य (प्राथा)

भीउहेकौरम अधिरङ्गहिर्गटक खेमहिरलम । শশ্চিতেরা কহিলেন মাহারাজ ২ অনিশুক্ত দুঃদ্রপু বটে না জানি কৈ অনিশ্র ইইবে। রাজা পতিতেরত্বের এই বাঁকা প্রনিয়া মদেং বিচার হারিলেন মৃত্যু অবশ্য ভারী শ্রী পুত্র বিত্তাদি স্থিমারিক সকল বিষয় জলবৃদ্ধার স্থায় অলিন্তা মরনোন্ডির স্কেছ কাহাজো শ্য় কেবল বিমা পরলোকে ওপকারক হল আত্মর সং-न्यायत् मण्यातिमात्रजा निकाय न्वर्वक देखी সঞ্জয় অবর্ণ। কর্ত্রব্য যেয়ন কৃপনেরা ইন সঞ্চয় করে। প্রবিক্রয়াদিত্য এই কণ বিচার করিয়া ভিন দিল পর্যান্ত থাকন্দ্রন ভার্ডার মুক্তমার করিয়া अनर्वात प्रांचनां पिलन परितृ ए उड़ीस स्न **তাহা** রাজ ভাগার হইতে লইয়া যাও। বৌষকাতে লানা দেশীয় দরিমু লোকেরা আঁটোড়া দিনদ্রর পর্যান্ত ফার্যার যে মনে লইক

নে তাহা দইয়া শিল। হাবিৎশতি, পুতানিকা কাহেদ হে ভোত রাজ প্রবিক্ষাদিতার ওঁদার্ঘ কিদ্দ জিল অভাব এ দিৎ হাদানে বামতেল সমুতি এডাদ্শ রাজা কেহু নাহি কেবল জুমি মুম্ভ নয়। এই মতে দে দিব্দ প্রভাজ রাজ নিব্র ইইলেন।

ইতি দাবিংশতি কথা

ক্রিয়োবি°পতি পুতালিকার কার্য।—

পূলরণর বিবাদে অভিষেকার্য দিশ্ব।

দৈশ নিকটোপন্থিত প্রভাতরাতকে দেখিলা
ক্রান্তিংশতি পুতলিকা কহিলেল হে ভেতি
রাজ অধিকমানিতার জুলা শৌর্য বৈর্যা
কর্মার্য ক্লিয়া দে এ দিশ্বাদনে বিদ্যা।

র্বাঞ্জা ক্রেন প্রবিদ্যাদিত্যের শৌর্ঘাদি ক্রি হণ । পুত্তলিকা কছেন হে ভৌজরাজ খুন অবস্তি মারে প্রবিচ্মাদ্তির দায়াতা করেন বী দগরে ইনশতি সায়ে ব্রিৎশান কোলীশ্বর এক বলিক থাকেন ভাষার চারি পুঞা ঐ বলিক অপিন মৃত্যু সময়ে চারি পুরকে কহিলেন হে পুমেরা ভৌমরা আমার মৃত্যুর পর **একর** থাকিবা বিভক্ত কদাত হইবা না সহবাদের গুলু রিস্তর ইতরেওর সাহায়ে। ফুদু লোকেরা ও অসোধ্য কার্য্য দিদ্ধি করিতে পারেন प्यान एवं मयूर अरु रहेग्रा रेगरि वृद्धि নিবার্ন করেন ঐ ত্নেরা বিভক্ত হটলে মে বৃদ্ধি নিবারণ করিতে পারেন না গরুদু নী বৃষ্টির জনে আপদারা ভাষিয়া যায় অতএব मिनियां भेकि जीन यपि रिक्- अमृतिङ ছুইয়া থাকিতে না পার তবে আঘার পয়ন মুক্তির তোমার্কবের নামান্ত্রিত করিয়া চারি

ছলম পুত্ৰিয়া ওটিয়েটিছে জাগন আপন নায়া শুনারে লইবা। এই কণ পুথেদিগকে পানন ফুরিয়া বিল্ডিড মেহ জাগি করিলেন। কিয়% क्षांत्रका राजिक पूट्याता वेदसूत क्वीर करिया বিভক্ত হুইয়া কৃত্য দায়া চিছিত চারি কলস মুত্তিকা হইতে ওদ্ধার করিয়া (অমিংলক োষ্টের কলমে মৃত্তিকা দিওীয়ের দটে অপার वृत्तीरप्रत काहु कम् ठपूर्भात कलाम जूस ইহার অভিপুঞ্ন না বুকিলা আনত বিষয়ন লোকের্টিপতে জিভানা করিবের ইছার অভিশুন্ন **ক্ষেত্র কহিতে** পারিলেন লা । এই হুপে অনেক দিবস পর্যান্ত চারি সহোদরে বিভক্ত হইয়া মুহুমেতে কান ঘাণন করিলেন। এক বিল ঐ চারি বলিক পুথেরো আবিজ্যা দিতোর সভাতে গিয়া সভা শোকেরদিগকে জিডাসা করিলেন ভ্রাণি কলমের ওত্ব নিক্রণী **হটল না কিন্দু ঐ পুড়িছান ন**গতে দুই ব্যক্ত

19 Will antifer

খাকেন তাহারদের এক বিবৈধা ভাগানী পর্ম ক্ৰাৰতী ভাইকৈ পাডাল ইইডে এক নাগ পুথ আদিয়া সামোগ করিয়াছিল ক পুযুক্ত তাহার ভুাতা দুই रांड्रवजी इंडेलम অস বিবর্বা ভাগানীর দেখিয়া গাঁভ শন্ধায়িত इडेग्रा (एनांहरत शिलन में विवेश नाक्का) কিছু দিলের পর এক পুত্র পুনের হইলেন **ঠাহার নাম শালহাহন ঐ শালহাহন আগন** মাতার সহিত এক কুমুকার পৃদ্ধে খাকেন। ভিনি দেই ঘটতভুগুয়ের বৃত্তান্ত পুর্বন করিয়া পুতিষ্ঠানদগর্ম রাজ সভাত্তেআসিয়া কহি रम्बार्शा । यहेरुपुरुत्वत यथाथ নিত্রখন আমি করিব। ইছা খুনিয়া সকল মুভা লোকের। সে নাণানুমের মুখনিরি ফুল করিতে লুটিংলেন। থালক করে মৃতিকা প্রিত ঘট ঘাহার নামে ছমি বন তাহার : প্রিড কল্ম মাহার সামে কর

রুজ্য ফাৎসা পিডার ডায়ু রুবু শীশক লোহ बनोक्ष शिजूम्या जाराहे । जाम् नृहित क्यु पाहात नियाहित जाहात हसी (पाहित পৌ মহীৰ কাৰ্ণী মেষ হাম হামাহিকা ছিপদ চতুল্লদ বন । তুল পুত্তি গগৈৱী আহাত নামে বীনা যব গোলুমা কৰাই মুদ্দ চনক তিৰ সৰ্বাদিতৰ শাস্য বন ভাহাত। নিটা প্ৰহের এই বাকা শুনিয়া চারি আডাডে জাননিত হইয়া পিতৃদ্তা্ৎশানুমারে মুন্ জিল ৰইয়া পর্য ফুর্টিট কাল ক্ষেপ্ত করি লেশ। নাগি পুশ্ৰ কৃত নিন্ত নোক প্ৰযুৱাতে প্রাধিকমাদিতা ব্যবিদ্ধা নাগেশুল জানগুন দিয়িত পুতিদান নগারে দুউ প্রের করি लंग। हिन् भानदारंत योहेन मां कहिएनन বিসমাদিত্যের নিষ্টে যাওনের কি পুরোজন যদি তাহার জিমু পুরোজন থাকে তিনি আগ্রার নিকটে কেন না আইলেন। দুডেরা

এই বাৰা ক্ষরিসমাদিকোর মাঞ্চাতে গিলা কছিল। বাজা বালং কর্মই বাকো বিন্ট্রি এবং তিখিও সৃষ্ট হইয়া চত্রদিনী সেনা পতিবৃত প্রবিক্যাদিতা বর্গ পুতিস্কান শুরে ওপদ্তি হুইলেন! তথাপি শানবাহন রুজৈ মন্ত্রামাথে বিজ্ঞানিতার বিকট আইলেদ না ৷ প্ৰাৰিক্যাদিন্তা কৃষ্ম হউঢ়া ন্মকীয় লোক প্রেরএ করিয়া পালধাহনের भूती शृह (हार्व कडिरलन । उपनत्त्व भीन । বাঁহন অগৃহারেরেরৈন দেখিয়া মৃত্তিকানির্মিত গাল জুরগা পদাজিকাদি কাপিড় পুভারে ন্তীৰ করিয়া ঘদাংথ আতা দিলেক। শানবাহন নৈনোৱা স্বাবিক্যাদিড়া মৈনোর স্থাত্তি আনক দিবস পর্যান্ত বিবিধী পুরুষ্টে ^{শুমুম্ম} করিবেশ। ্র তথাশি স্নাবিসমাহিক্তার ্পুড়ারে ড৭ মৈনোরা ভর হইবেন না। এক विवास द्रांद्रियमार्थी ज्ञांनक्षांक्रतातुः निद्धां शेर्यान

नेहम् नाम्भूयं धार्मियां विजयां विख्यां केत्रन क्षानास्य प्रश्निया विश्व श्रीनारेज सृद्धि ख्वियां शिक्षा । व्यविक्रमाविका स्टलीप्र সকল সেগাকে মৃদ্ধিত দেখিয়া অমৃত দেচলেঁ শৈকোরদের জীহনার্থ নাগারীজ বাদকির মনু অপ করিলেন বাসুকি জুখ হইয়া রাজাকে অমৃত্য হিয়া গেলেন t বাজা 🗗 व्यक्त बहेगा बीठाहरू वाहरणंत्रन नीर्थ ং লেখা লালবাহন শ্রেরিও পুক্ষর্য রাজায় সল্পো আমিয়া ই অয়ত পুথমা করিল 🛊 व्यक्तियाहिएकाइ उद्दे निवास (य यांचा नाधनी क्षिएक:खोइ रिकं डोइडि मिंद। व्यवदार स्मित्री क्री करम के नृज्ञकाम्हरू च्याहर विश्वन । शहरंडीहें शक्ष और व अवरिकार जनाधित्व कर्राहे না হয় ৷ এই কেনে আবিক্লাদিড্য একবিটা পৰি कारी। विशा क्षितिमा चुलक्या करणीखिल भूभागता भूकर पूजात विनय सांगित छात्री

এট পাল্পের পুমান আছে 💎 অভার বীদা জায়াকে অবৰ্ণা বৃহ্নী করিবেন ভাষনা করিছেমেন। ইতাহদারে পাতালনগারী रहेर रामूनी सग्रः जानिया जम्दर्स করিয়া অবিস্মাদিতার (সম্ভল সৈল্যকে म्हजोर कृतिहाँ भिलान समाना मुहर्खी শিতে পুরি কোনাহল করিতে লাগিন। রাজা विज्ञाहिता रैमामाब्रद्धा जीवम प्रांत नेदश महक्ष रहेशां भक्त (मना महिङ स्पृतीत्छ आहेलन । ज्यानाना पुंडा ज्यानानाः বিনিয়ে হইলেন ৷ অভাব কৰি হে গুডাজবাৰী বিক্রমাদিত্যের ওদার্ঘা অনুশার এডাদ্শী अमर्था यदि *(जामीर*ड शिक्क उत्र मेरे) মিংহাসনে যদিতে পার । বিয়েরিংপার্ডিঃ প্রনিকার এই কথা শুনিরা ব্যভাতরার विज्ञास पूर्थाविजामे इहेरनम । देखि जिल्लोकिः पश्चि सभी गुल्ल

তুদির্থপাতি পুরনিকার কথা 🖰

শুনবর্ষার এক দিবস চতুবির্হত শতি পৃত্তলিক।

নিশ্বাসনারেছির নিবারর কারর প্রভাগ

রাজাকে করেল হে ভোজরাজা প্রবিশ্বাস

নিব্রের জুলা পুজা পুজপালক যে রাজা
করিব সে এ নিশ্বাসনার বিনার । রাজা
করিব সে এ নিশ্বাসনার বিনার । রাজা
করিব সে এ নিশ্বাসনার বিনার । রাজা
করিব্রা নির্বাসনারিত্যের পুজাশালকভা
কিন্তুলী। পুত্তলিকা করেল উল এক দিবস

করিব্রা হিন্তা মন্ত্রিগর পরিবেনিত হর্মা
ক্রাক্তাক বানিয়ালেল ইন্ডিয়ারো কেরল
কেপীয় কোন্ডিগ্রাস্থান বানা প্রতিত সভাতে
আন্দিয়া বিবিধি গান্তাব্য বানালুবক্সে রাজা
ক্রালায়ার বিবিধি গান্তাপ্র বানালুবক্সে রাজা
ক্রালায়ার বিবিধি গান্তাব্য বানালুবক্সে রাজা

লেব। ব্যাজা পণ্ডিয়কে জিআমা হারিলেন

হে পতিত ভূমি কোনং পাঁদ্ধে ভানবান। পণ্ডিত হুছিলেন আমি জ্যোতিয় পাঁলে জানবান। থ্রাজা কছিলেন বল এই বং সরে আন্ত্রার রাজ্যে কি হইবে ৷ পণ্ডিড স্কহিলেন हर महावृत्ति । दूष्या दुष्ट पृष्टिक इदेग्द। রাজা কহিলেন আয়ার ছেপে নীত শাল্পো লগ্গন হবাত নাছি অনী তর অভূর মাত্রও বাহি পুজা পীরন মাপুতেও নাহি পুঞ ক্রমানুভান ভার করাতিশ নাছি এবং ব্রাহ্রন হিৎনা প্তা কলহ দিরপরার দয় অসকা নিহণৰ পাপ পুত্তি দেবতা পুতিয়া ভয় সাব্বন মনস্থাণ শাস্ত্রেক্ত যাবশ্বিক্তয আমার দেশে কথানও নাছি ভবে মুর্ভিক্স कि निधित इहेक। निधंद सहिलन हर यहाँ রাজ যে সৰল আজা করিলেন মে প্রার बरहे क्यि त्यां डिश्नांत्यत अहे न्यांन (ताहिनी भंकडे एक बहिया भौतकंडिश यदि छन

ক্ষেত্র বিদ্যা মান্ত ক্ষেত্রে জাইটেল ডাব অৰণ্য দুৰ্ভিন্ত হয় আহি এই পাস্থ পুয়ানানু স্বাহ্নেকহি। রাজা শশিক্ষের এই বাকা শুনিয়া পুজার রন্তর্গার্থ ঘুভিক্ষ দিবার্থ নিমিত্ত वर्त्द वक अभन्ता वानिवित्र स्नापन কিবা ব্ৰহ্মৰ দায়ায় কৰিলেন ত্থাণি বৃদ্ধি হইল শা ক্ষেত্ৰ কোন শানা অক্সিল না প্রালোকেরা অহাত যাক্ল হুলৈ রাজা অত্যপ্ত ভাবিত ইইলেন। আকাশ বানী হইৰ হে বিসমান্ত্য নকল রাজলক্ষরণক্ত এক প্রথ ঘটি বলিদিতে পার पुरव वृद्धि हरेरत। वृद्धि এहे रेमबी आकान বালী শুলিয়া মানুহত হইয়া পুলার রন্ত প্রাথ আপলানে বলিখিতে ওয়াত হথা আছে অভাবিধান দেবতা পুনার হইয়া রাজার क्कार रेहियां कहिएलन व ग्रहांशंजीब কাৰা তুৰিছেও শুআৰ পালক ৰাজা বট পুৰুত্ব

श्रेनांव दश न्धिन कहा होजा कहिएमन प्राप्त (यम शृक्षिक ना इस वह बह रावन) रावको उथान्त वनिया ज्याक्ष्याम इहेरनम् इरविव योगद रात्म पूर्णिक जारानि इस मान क्रुविविश्मकि मृजनिकांत वह कथा स्रोतिस्थ स्राप्त काल क्ष्मीमा इहेरनम् ।

ইড়ি চতুৰিবৰ্ত,পতি ক্রাণ। —

পঞ্চরিৎপত্তি পূত্রলিষ্ঠার ষ্টা।

Toby 19192 (19

আন্য এক বিবাদ নিশ্বনিদ্যারোহনোয়ার ভোজরাজকে নিয়ারল করিয়া পক্ষরিশারি পুর্বিকা করেন হে ভোজরাজ এ মিশ্বনা করেন ক্রিমানিডো জুলা না হইবে বনিবর্ত্ত প্রায়ে না। রাজা করেন ক্রিমানিকা কিয়ুক